NEWS COVERAGE REPORT
OF
CULTURE DEPARTMENT
FOR
1 FEBRUARY 2025

DAILY NEWS

जैन विद्या शोध संस्थान के 34वें स्थापना दिवस पर 06 जैन विभूतियां सम्मानित

Publication	दैनिक जागरण (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	1 FEB 2025	Page 06

फिरोजाबाद का नाम चंद्रनगर करने का प्रस्ताव

जैन विद्या शोध संस्थान के स्थापना दिवस पर संस्कृति मंत्री ने विद्वानों का किया सम्मान

जागरण संवाददाता • लखनऊः चूड़ी और कांच उत्पादों के लिए विख्यात कांच नगरी फिर से अपना ऐतिहासिक वैभव पाने की ओर अग्रसर है। फिरोजाबाद का नाम पहले चंद्रनगर ही था, जिसे राजा चंद्रसेन ने बसाया था। चंद्रवाड़ के नाम से यमुना के किनारे अब भी ग्राम पंचायत है, जहां राजा चंद्रसेन के किले के खंडहर मौजूद हैं। इस किले और आसपास के क्षेत्र को संरक्षित स्मारक घोषित किया है। वर्ष 1566 फिरोजशाह ने इसका नाम बदलकर फिरोजाबाद कर दिया था। अब फिरोजाबाद का नाम बदलकर चंद्रनगर करने का प्रस्ताव सरकार के पास पहुंच गया है। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह शुक्रवार को उप्र जैन विद्या शोध संस्थान के 34वें स्थापना दिवस पर बोल रहे थे।

गोमतीनगर के अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में मंत्री ने कहा कि शाकाहार और अहिंसा जैन समाज का गहना है। समाज की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को उप्र जैन विद्या शोध संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो.अभय कुमार जैन आगे बढ़ा रहे हैं। गर्व की बात है कि जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों में 18 उत्तर प्रदेश में पैदा हुए हैं। आगरा के आसपास के पर्यटन को बढ़ाने के लिए 31 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग के अधीन स्वायत्तशासी संस्था के रूप में 31 जनवरी 1991 को स्थापित संस्थान के 34वें स्थापना दिवस पर बुद्धिजीवियों को मंत्री ने सम्मानित भी किया। उप्र जैन विद्या शोध संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. अभय कुमार जैन ने बताया कि निजी सहयोग से संस्थान की ओर से स्थापित छह पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजन में संस्थान के निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के निदेशक डा.राकेश कुमार सिंह के अलावा डा. संजीव जैन सौरभ शास्त्री व आशियाना जैन महिला मंडल की अध्यक्ष अल्पना जैन समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान के 34 में स्थापना दिवस पर सम्मानित विद्वानों के साथ पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो . अभय कुमार जैन व अन्य • जागरण

इनको मिला सम्मान

- तीर्थंकर ऋषभदेव सम्मान – प्रो . राजा राम जैन, नोएडा (एक लाख रुपये)
- तीर्थंकर महावीर अहिंसा सम्मान – डा . पत्रिका जैन, लखनऊ (51,000 रुपये)
- आचार्य कुंदकुंद सम्मान – डा . सचिंद्र जैन, मंगलायतन, अलीगढ़ (51,000 रुपये)
- भरत चक्रवर्ती सम्मान – डा . ज्योति जैन, खतौली, मुजफ्फरनगर (31,000 रुपये)
- गणेश प्रसाद वर्णी श्रुत आराधक सम्मान – डा .पंकज जैन, भोपाल (21,000 रुपये)
- श्रुत संवर्धन सम्मान – जैन अमन अकलंक, गाजियाबाद (21,000 रुपये)

बच्चों की हुई प्रतियोगिताएं : स्थापना दिवस पर बच्चों के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं में निबंध में प्रिंस कुमार कौसिक को पहला, कृष्णा गुप्ता को दूसरा और विनय कुमार को तीसरा स्थान मिला। चित्रकला में आकृति सिंह पहले, शगुन वर्मा दूसरे और वैष्णवी श्रीवास्तव तीसरे स्थान पर रहीं। उन्हें जेपी सिंह, दिलीप गुप्ता, रेनू द्विवेदी शोभित नाहर व डा. वीरेंद्र कुमार ने सम्मानित किया।

सम्मान से बढ़ा हौसला : प्राकृत भाषा का शब्द कोष तैयार कर रहीं कपूरथला निवासी डा.पत्रिका जैन को तीर्थंकर महावीर अहिंसा सम्मान के तौर पर 51,000 रुपये व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग और गोमतीनगर के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अलावा जैन धर्म को लेकर कार्य करने वाली डा.पत्रिका जैन ने बताया कि सम्मान से हौसला बढ़ता है। सम्मान के लिए सभी का आभारी हूं।

उठा रहे सवाल, वही करेंगे महाकुंभ की तारीफ : पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने महाकुंभ की घटना को लेकर सवाल उठाने वाले विपक्ष के बारे में कहा, 'जो सवाल उठा रहे हैं वही महाकुंभ के समापन के बाद तारीफ करेंगे। घटना की जांच चल रही है। श्रद्धालुओं में किसी तरह का भय नहीं है। विपक्ष को जांच रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए।

Publication	हिन्दुस्तान (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	1 FEB 2025	Page 10

जैन समाज की छह विभूतियों का पहली बार सम्मान

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान के 34वें स्थापना दिवस पर शुक्रवार को पहली बार जैन धर्म व संस्कृति के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह विद्वानों को सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में आयोजित समारोह में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने विद्वानों का सम्मान किया।

इस मौके पर संस्कृति मंत्री ने कहा कि जैन धर्म की सांस्कृतिक परम्परा सनातन धर्म के करीब है। राज्य सरकार जैन धर्म से संबंधित स्थलों को बेहतर बनाने पर जोर दे रही है। इसके साथ ही जैन सर्किट के विकास के लिए 31 करोड़ रुपये की धनराशि पर्यटन विभाग को उपलब्ध कराई गई है। जैन तीर्थस्थलों से संबंधित योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जैन युवाओं में शिक्षा के प्रसार के लिए जैन विद्या शोध संस्थान में आगामी सत्र से स्नातक की पढ़ाई शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में आयोजित समारोह में शुक्रवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जैन विद्वानों का सम्मान किया।

लखनऊ की डॉ. पत्रिका को अहिंसा सम्मान

संस्कृति मंत्री ने तीर्थंकर ऋषभदेव सम्मान से नोएडा के प्रो राजा राम जैन को सम्मान के स्वरूप एक लाख रुपये देने की घोषणा की। अस्वस्थ होने के वह समारोह में शामिल नहीं हो सके। वहीं लखनऊ की डॉ पत्रिका जैन को तीर्थंकर महावीर अहिंसा सम्मान और अलीगढ़ के डॉ सचिन्द्र जैन को आचार्य कुन्दकुन्द सम्मान से नवाजा गया। दोनों को 51-51 हजार रुपये की धनराशि प्रदान किए गए। इस अवसर पर शिक्षकों व प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को भी सम्मानित किया गया।

Publication	राष्ट्रीय सहारा (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	1 FEB 2025	Page 03

18 तीर्थंकर की जन्मस्थली पर जैन कॉरीडोर बनेंगे : जयवीर

लखनऊ (एसएनबी)। उ.प्र. जैन विद्या शोध संस्थान का 34 वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार को अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के सभागार गोमतीनगर में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर

- धूमधाम से मना जैन विद्या शोध संस्थान का 34 वां स्थापना दिवस समारोह
- संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने किया विद्वानों का सम्मान

संस्थान द्वारा जैन विद्वान विभूतियों को सम्मानित किया गया। शुरुआत मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन के बाद कुलगीत और अतिथियों का स्वागत से हुआ। संस्थान के निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री ने वर्ष भर की गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों से अवगत कराया। संस्थान के उपाध्यक्ष डा. अभय जैन ने कहा कि जैन दर्शन का पाठ्यक्रम के अनुमोदन हेतु पाठ्यक्रम समिति की शीघ्र बैठक होगी और आगामी सत्र से डिप्लोमा कक्षाएं प्रारम्भ हो जायेंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ और मंत्री जयवीर सिंह प्रेरणा से निजी सहभागिता के अन्तर्गत संस्थान को डॉ. संजीव जैन लखनऊ, सेठी ट्रस्ट, नई दिल्ली, स्व. इं. धर्मवीर, लखनऊ और सौरभ सामी, फिरोजाबाद का उदारतापूर्वक आर्थिक सहयोग संस्थान को मिला। संस्थान द्वारा पहली बार 06 सम्मान प्रदान करने जा रहा है जो संस्कृति विभाग के किसी संस्थान द्वारा पहली बार किया जा रहा है।

प्रायोजकों सौरभ सामी, डॉ. संजीव जैन ने कहा कि हम अपने पिताजी की स्मृति में संस्थान की गतिविधियों में सहयोग प्रदान करने में गौरव का अनुभव कर रहे हैं। मुख्य अतिथि संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने अपने कर कमलों से वर्ष 2024 के सम्मान प्रदान किये।

तीर्थंकर ऋषभदेव सम्मान - प्रो. राजा राम जैन, नोएडा 100000, तीर्थंकर महावीर अहिंसा सम्मान - डॉ. फणिका जैन, लखनऊ रुपये 51000 आचार्य कुन्दकुन्द सम्मान - डॉ. महेन्द्र जैन, मंगलायतन, अलीगढ़ रुपये 51000 भरत चक्रवर्ती सम्मान - डॉ. ज्योति जैन, खतौली (मुजफ्फरनगर) रुपये 31000 नवीन प्रसाद वर्मा कृत आराधक सम्मान - डॉ. पंकज जैन (भोपाल) रुपये 21000 कृत संवर्धन सम्मान- जैन अमर अकलंक, गाजियाबाद रुपये 21000

प्रतियोगिता में कार्मल, आशियाना, प्रताप पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

निबन्ध प्रथम -प्रिन्स कुमार कौशिक द्वितीय -कृष्णा गुप्ता तृतीय -विराट कुमार चित्र कला प्रथम -आकृति सिंह द्वितीय - मयूर वर्मा तृतीय - वैष्णवी श्रीवास्तव

Publication	NBT (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	1 FEB 2025	Page 06

जैन विद्या शोध संस्थान के स्थापना दिवस समारोह पर पर्यटन मंत्री का ऐलान

बनेगा जैन कॉरिडोर, तीर्थंकरों की जन्मस्थली पर हो रहे काम

समारोह में बताया गया कि जैन दर्शन के पाठ्यक्रम पर जल्द बैठक होगी।

■ NBT न्यूज, लखनऊ

वुद्ध सर्किट की तरह प्रदेश में जैन कॉरिडोर भी वनाया जाएगा। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को जैन विद्या शोध संस्थान के 34वें स्थापना दिवस समारोह में इसका ऐलान किया। उन्होंने वताया कि इसके लिए 18 तीर्थंकरों की जन्मस्थली पर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने जैन दर्शन के क्षेत्र में योगदान के लिए कई विद्वानों का सम्मानित किया।

गोमतीनगर स्थित संस्थान में हुए समारोह में इसके उपाध्यक्ष प्रो. अभय कुमार जैन ने वताया कि जैन दर्शन के पाठ्यक्रम के अनुमोदन के लिए पाठ्यक्रम समिति की जल्द वैठक होगी। आगामी सत्र से विधिवत कक्षाएं शुरू होंगी। उन्होंने वताया कि निजी सहभागिता के तहत संस्थान की ओर से पहली वार पुरस्कार दिए गए हैं। समारोह में वच्चों के लिए भी कई प्रतियोगिताएं हुईं। इनमें वर्धमान, आयडियल और प्रयाग पव्लिक स्कूल के स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। निवंध प्रतियोगिता में प्रिंस कुमार कौशिक, चित्र प्रतियोगिता में आकृति सिंह अव्वल रही।

इनका हुआ सम्मान

- तीर्थंकर ऋषभदेव सम्मानः प्रो. राजा राम जैन, नोएडा (₹1 लाख)
- तीर्थंकर महावीर अहिंसा सम्मानः डॉ. पत्रिका जैन, लखनऊ (₹51 हजार)
- आचार्य कुंदकुंद सम्मानः डॉ. सचिंद्र जैन, अलीगढ़ (₹51 हजार)
- भरत चक्रवर्ती सम्मानः डॉ. ज्योति जैन, मुजफ्फरनगर (₹31 हजार)
- गणेश प्रसाद वर्णीश्रुत आराधक सम्मानः डॉ. पंकज जैन, भोपाल (₹21 हजार)
- श्रुत संवर्धन सम्मानः जैन अमन अकलंक, गाजियाबाद (₹21 हजार)

Publication	अमृत विचार (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	1 FEB 2025	Page 07

सम्मान से मान नहीं संस्कृति संवर्धन होता है : जयवीर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

उप्र जैन विद्या शोध संस्थान के 34वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद सांस्कृतिक एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह।

अमृत विचारः जैन विद्या शोध संस्थान का 34वां स्थापना दिवस समारोह बौध शोध संस्थान गोमतीनगर में आयोजित हुआ। इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन के बाद कुलगीत और अतिथियों का सम्मान हुआ।

संस्थान के निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री ने वर्षभर की गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों से अवगत कराया। संस्थान के उपाध्यक्ष ने कहाकि जैन दर्शन का पाठ्यक्रम के अनुमोदन के लिए पाठ्यक्रम समिति की शीघ्र बैठक होगी और आगामी सत्र से विधिवत कक्षायें शुरू हो जायेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ और मंत्री जयवीर सिंह की सहभागिता के अन्तर्गत संस्थान को डॉ. संजीव जैन, सेठी ट्रस्ट, स्व इं धर्मवीर, सौरभ शास्त्री का आर्थिक सहयोग संस्थान को मिला। मुख्य अतिथि संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने वर्ष 2024 के उत्कृष्ट कार्य करने वाले 6 विद्वानों को सम्मानित किया। जिनमें तीर्थंकर ऋषभदेव सम्मान- प्रो. राजा राम जैन, नोएडा, तीर्थंकर महावीर अहिंसा सम्मान-डॉ. पत्रिका जैन, लखनऊ, आचार्य कुन्दकुन्द सम्मान-डॉ. सचिन्द्र जैन, अलीगढ़, भरत चक्रवर्ती सम्मान-डॉ. ज्योति जैन मुजफ्फरनगर, श्री गणेश प्रसाद वर्णी श्रुत आराधक सम्मान-डॉ. पंकज जैन भोपाल, श्रुत संवर्धन सम्मान-जैन अमन अकलंक गाजियाबाद मा. संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री जयवीर सिंह विद्वानों को सम्मान प्रदान करते हुए कहाकि इस प्रकार के सम्मान से मान नहीं संस्कृति संवर्धन होता है। कार्यक्रम में सलाहकार जेपी सिंह, वित्त नियत्रंक दिलीप गुप्ता, पुरातत्व निदेशकरेनू द्विवेदी, शोभित नाहर, डॉ. राकेश सिंह, डॉ. वीरेन्द्र कुमार सहित जैन समाज के लोग सम्मलित हुये।

Publication	दैनिक भास्कर	**Publishing Date :**	**1 FEB 2025**	**Online**

https://www.bhaskar.com/local/uttar-pradesh/lucknow/news/34th-foundation-day-of-jain-vidya-shodh-sansthan-celebrated-134390580.html#:~:text

Publication	तरुणमित्र	**Publishing Date :**	**1 FEB 2025**	**Online**

https://www.tarunmitra.in/state/uttar-pradesh/on-the-34th-foundation-day-of-jain-vidya-shodh-sansthan/article-72166

Publication	**GSS News**	**Publishing Date :**	**1 FEB 2025**	**Online**

https://www.ggsnews24.in/article/22367

Publication	**ETV Bharat**	**Publishing Date :**	**1 FEB 2025**	**Online**

https://www.etvbharat.com/hi/!state/6-jain-personalities-honored-on-34th-foundation-day-of-jain-vidya-shodh-sansthan-31-crore-approved-for-development-of-jain-circuit-uttar-pradesh-news-ups25013105177

ADDITIONAL NEWS COVERAGE REPORT OF CULTURE DEPARTMENT FOR 30 JANUARY 2025

Publication	Hindustan Times	Publishing Date :	1 FEB 2025	Page 07

INDIA-NEPAL FRIENDSHIP FEST FROM FEB 5

HT Correspondent

letters@htlive.com

LUCKNOW: The Department of Culture, Uttar Pradesh, will organise 'India-Nepal Friendship Festival' from February 5 to 23 to strengthen the shared cultural bond between the two countries.

Artistes from Nepal and Uttar Pradesh will present music, folk songs, and dances as part of the celebration.

The festival will commence on February 5 in Siddharthnagar and will travel through Maharajganj, Kushinagar, Balrampur, Shravasti, Bahraich, Lakhimpur Kheri, and conclude in Pilibhit on February 23.

The goal of the festival is to preserve the region's rich cultural heritage and promote patriotism, particularly among the youth and students.

Minister of culture and tourism Jaiveer Singh said the festival aims to strengthen the bilateral relations between India and Nepal.